18 / 01 / 80 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

स्मृति दिवस पर बाप-दादा की बच्चों प्रति शिक्षाओं की अनुभूति

➢➢ आज स्मृति दिवस पर मैं आत्मा पांडव भवन में शांति स्तंभ के सामने बैठी हूँ।

➳ _ ➳ अपने स्मृति स्वरूप, समर्थ स्वरूप को देख रही हूँ।

→ आज के इस स्मृति दिवस पर मैं आत्मा एक ही लगन में मगन - एक बाप दूसरा न कोई।

- ऐसे सहजयोगी
- निरन्तर योगयुक्त
- जीवनमुक्त
- फरिश्ता स्वरूप स्थिति का अनुभव कर रही हूँ।

➳ _ ➳ बापदादा भी मुझे "सदा समर्थ भव" का वरदान दे रहे है - इसकी गहराइयों से अनुभूति कर रही हूँ।

→ मैं बापदादा की सदा की स्नेही बन गयी हूँ।

→ लवलीन अवस्था की स्थिति मे

→ बापदादा के वरदानी हाथ अपने सिर के ऊपर महसूस कर रही हूँ।

- बापदादा वरदान दे रहे है
- "बाप समान न्यारे और सदा प्यारे भव"

➢➢ आज के इस समर्थ दिवस पर बाप को प्रत्यक्ष करने का एक ही दृढ़ संकल्प मन मे है।

➳ _ ➳ आज के दिन बस जैसे एक ही धुन लगी हुई है।

→ बुद्धि में प्रत्यक्षता का झंडा लहरा रहा है कि विश्व मे यह झंडा लहरायें।

- मन मे यही संकल्प उठ रहे है
- कैसे सभी को दिल चीरकर दिखाए कि
- बाप हमारे दिल मे है।

➳ _ ➳ श्रेष्ठ संकल्पों के तीर से वायुमण्डल द्वारा बाप को प्रत्यक्ष करने की अनुभूति कर रही हूँ।

→ 80वें वर्ष की विशेष स्मृति दिवस पर हर आत्मा को यथा योग्य वर्से की अधिकारी बनाने के लिए

→ "स्व के प्रति और सर्व के प्रति सदा विघ्न विनाशक बनने और बनाने का दृढ़ संकल्प लेती हूँ।

→ सर्व तड़पती हुई आत्माओं को यथा योग्य तृप्त बनाने का संकल्प ले रही हूँ।

- याद और सेवा का बैलेंस रखते हुए ब्लिसफुल बनती जा रही हूँ।

➢➢ विघ्न प्रूफ चमकीली फ़रिश्ते ड्रेस पहने हुए मैं अपने अंदर सर्व गुणों और शक्तियों को समाहित करती जा रही हूँ।

➳ _ ➳ स्वयं को अष्टशक्ति शस्त्रधारी सम्पन्न मूर्ति के रूप में देख रही हूँ।

→ स्वयं को कमल पुष्प आसन धारी के रूप में देख रही हूँ।

- सर्व आत्माओ को मनसा सेवा के द्वारा ब्लेसिंग्स देती जा रही हूँ।
- खुशबूदार फूल बन खुशबू फैलाने की सेवा कर रही हूँ।

➳ _ ➳ मैं स्वयं को विश्व कल्याणकारी बाप के साथ कंबाइंड रूप में विश्व वरदानी शक्ति के रूप में देख रही हूँ।

→ शिव और शक्ति कंबाइंड रूप से

→ मनसा संकल्प वा वृति द्वारा वायब्रेसन की खुशबू फैलाती जा रही हूँ।

- विश्व मे सुख, शांति, शक्ति, प्रेम, और आनंद की भिन्न-भिन्न प्रकार की खुशबू फैल रही है।

- विश्व मे अशुद्ध वृति की बदबू दूर होती जा रही है।
- श्रेष्ठ वायब्रेशन के फाउंटेन विश्व की आत्माओं के ऊपर गुलाबबाशी के रूप में पड़ रहे है।